मेरी चौखट पे चलके आज बाबोसा भगवान आये है

मेरी चौखट पे चलके आज,
बाबोसा भगवान आये है,
सजाओ घर को आँगन को,
स्वयं हनुमान आये है,
पुण्य मेरे प्रबल है जो,
आप कुटिया में पधारे है,
हाल मेरा सुदामा सा,
आप श्री कृष्ण हमारे है,
बहुत खुश हूं की भक्तो का,
बढ़ाने मान आये है,
सजाओ घर को आँगन को,
स्वयं हनुमान आये है।bd।

[तर्ज – मेरे घर राम आये है।]

आपके आने से बाबोसा,
रोम रोम मेरा हर्षित है,
तुमको समर्पित है ये जीवन,
तन मन धन ये अर्पित है,
कई जन्मों से तरस रहे थे,
आज जागे भाग्य हमारे,
बड़ी लंम्बी इंतजारी,
हुई रहमत जो तुम्हारी,
आई है सवारी,
संदेशे आज खुशियों के,
हमारे नाम आये है,
सजाओ घर को आँगन को,
स्वयं हनुमान आये है।bd।

तुमको पाकर और क्या मांगु,
मैं तुमसे ओ मेरे ‘दिलबर’,
जीते जी मुझे स्वर्ग मिला है,
क्या करूँ अब स्वर्ग में जाकर,
एक यही फरियाद है मेरी,
अपने चरणों मे मुझको बिठाले,
बड़ी लंम्बी इंतजारी,
हुई रहमत जो तुम्हारी,
आई है सवारी,
संदेशे आज खुशियों के,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हमारे नाम आये है,
सजाओ घर को आँगन को,
स्वयं हनुमान आये है।**bd।**

मेरी चौखट पे चलके आज,
बाबोसा भगवान आये है,
सजाओ घर को आँगन को,
स्वयं हनुमान आये है,
पुण्य मेरे प्रबल है जो,
आप कुटिया में पधारे है,
हाल मेरा सुदामा सा,
आप श्री कृष्ण हमारे है,
बहुत खुश हूं की भक्तो का,
बढ़ाने मान आये है,
सजाओ घर को आँगन को,
स्वयं हनुमान आये है।**bd।**

गायक – सूरज मेहता मुम्बई।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com